हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

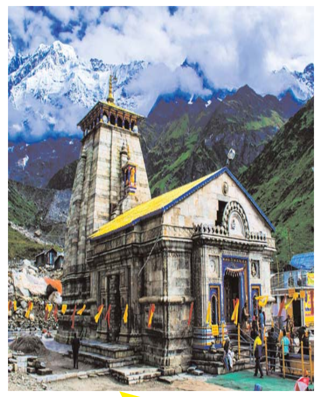

वर्ष:5 अंक:153 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, मंगलवार, 09 जून 2026

जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव में मुख्यमंत्री ने किया प्रतिभाग, क्षेत्र के विकास के लिए की कई घोषनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री केदार सिंह स्टेडियम, नागथात, देहरादून में आयोजित जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव एवं क्रीड़ा समारोह-2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री केदार सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान समरजेंस मोटर मार्ग का चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य किए जाने, प्राथमिक विद्यालय नागथात को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किए जाने, वि.ख. चकराता के बागी -खेड़ा -कोटा-तपलाड मार्ग में यमुना नदी पर 60 मी. स्पैन पुल का निर्माण कार्य किए जाने, चकराता के क्यारापुल - डामटा - म्यूँडा मोटर मार्ग के कि.मी. 22 से छामरी एवं जाखणी तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य, विकासखंड कालसी के अंतर्गत ग्राम सकरोल से ग्राम भोड़ा-भालनू एवं उटेल होते हुए द्वितीय सिद्ध पीठ श्री महासू महाराज थैना तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य , वि.ख. चकराता के अंतर्गत ग्राम खबऊ के अन्तर्गत खेड़ा रमारका- कुन्ना - बुराष्टी में यमुना नदी से पम्पिंग पेयजल योजना बनाए जाने, वि.ख चकराता के जगथान बुरायला मार्ग से ग्राम उदांवा तक सडक निर्माण को क्ल्लस्ड्ड में प्रस्तावित किए जाने एवं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए द्वीना से बिसोई खुना अलमान तक नए संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने श्री महासू देवता को नमन करते हुए कहा कि जौनसार बावर सांस्कृतिक पुनरूत्थान समिति पिछले 33 वर्षों से इस उत्सव के माध्यम से धरोहर को बचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा जौनसार भाबर प्राकृतिक सुंदरता के साथ अपनी मेहनतकश, सरल और स्वाभिमानी जनता के लिए जाना जाता है। यहां की लोक संस्कृति, एकता की भावना को बढ़ावा एवं भविष्य की पीढ़ियों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा जौनसार- बावर में उन्हें उत्तराखण्ड की मूल आत्मा के साक्षात दर्शन होते हैं। जौनसार की संस्कृति, परंपराएँ, सरलता, आत्मीयता और प्रकृति के प्रति सम्मान, राज्य की समृद्ध विरासत है।

मुख्यमंत्री ने कहा जौनसार के रासो की थाप, हारूल की गूंज और बौंद जैसी महान परंपराएं उत्तराखंड, के साथ पूरे देश का गौरव हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनजातीय समाज के सम्मान, शिक्षा और समग्र विकास के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। देश में जनजातीय समुदायों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, वन धन योजना, प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी अनेक योजनाएँ लागू की गई हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आदिवासी समाज की नीतियां और नियति दोनों बदली हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखंड जनजातीय महोत्सव के माध्यम से संस्कृति व विरासत को एक मंच देने का प्रयास किया है। सरकार ने प्रतिवर्ष जनजातीय खेल महोत्सव आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 128 जनजातीय गांवों को चिन्हित किया है। जिसके तहत इन गांवों में सड़क, बिजली, पानी और इंटरनेट जैसी हर बुनियादी सुविधा पहुंचाकर इनका कायाकल्प करने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कालसी, मेहरावना, बाजपुर और खटीमा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से जनजातीय बच्चों को निःशुल्क विश्वस्तरीय आवासीय शिक्षा की सुविधा मिल रही है। बाजपुर और चकराता में भी नए एकलव्य आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य जारी है। जनजातीय समाज के बच्चों को पढ़ाई के लिए सरकार, प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक छात्रवृत्ति भी प्रदान कर रही है। शैक्षिक विकास के लिए वर्तमान में 16 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा जनजातीय समुदाय की बेटियों के विवाह के लिए ? 50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जनजातीय शोध संस्थान के लिए 1 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड की स्थापित की गई है जौनसार बावर क्षेत्र में सड़कों, पानी और बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए लगातार काम कर रही है। चकराता के विकास के लिए राज्य सरकार ने लगभग 39 करोड़ रुपये की 56 योजनाओं को मंजूरी दी थी। इनमें से 51 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। शेष 5 योजनाओ को भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। पूरे क्षेत्र की सड़कों को मजबूत करने के लिए 1,300 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 707 और 707 का चौड़ीकरण युद्धस्तर पर जारी है। कालसी-चकराता मार्ग पर जजरेड के पास भूस्खलन की समस्या का स्थायी समाधान किया जा रहा है। न्यू चकराता टाउनशिप हय्यो डांडा पंपिंग योजना पर लगभग 229 करोड़ रुपये की लागत से काम चल रहा है। जिससे भविष्य में पानी की कभी कमी नहीं होगी। श्री महासू देवता मंदिर परिसर के भव्य विकास के लिए 120 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक मास्टर प्लान पर विकास कार्य भी गतिमान है।

इस अवसर पर विधायक मुन्ना सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, दायित्वधारी गीता राम गौड़, मेला समिति के अध्यक्ष नरेश चौहान, महासचिव मेला समिति नरेन्द्र तोमर, खुशीराम जोशी, जयपाल सिंह तोमर, शूरवीर सिंह तोमर, बलवीर सिंह नेगी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सच हो रहा विकसित भारत का संकल्प- मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के केंद्र में लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर, प्रधानमंत्री सहित देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सशक्त, सक्षम और स्वाभिमानी भारत का सपना सच हो रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखंड भी नवोदय का संकल्प पूरा कर रही है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज तीव्र विकास कर रहा है। पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ पक्के घर, 81 करोड़ लोगों को हर माह मुफ्त राशन, 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत निशुल्क उपचार की सुविधा और 40 लाख करोड़ रुपये का गारंटी मुक्त मुद्रा ऋण–यह सब अंत्योदय को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा मनीषी ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले सात दशक तक देश में कुल 3.2 करोड़ घरों में ही नल से पेयजल आपूर्ति हो पा रही थी, अब यह आंकड़ा चार गुना से अधिक बढ़कर 16 करोड़ तक पहुंच गया है। 2014 तक देश के केवल 5 शहर ही मेट्रो ट्रेन से जुड़े थे, अब इन शहरों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। मेट्रो रेल नेटवर्क भी 248 किलोमीटर से बढ़कर 1155 किलोमीटर हो गया है।

दुनिया का नेतृत्व कर रहा भारत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया को हर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान कर रहा है। दुनिया के कुल डिजिटल लेन-देन का 56 प्रतिशत अकेले भारत में हो रहा है। कभी अपनी रक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर रहने वाला भारत आज रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अंतरिक्ष से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण तक, भारत आत्मनिर्भरता के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी वंदन के अपने संकल्प को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की यही नारी शक्ति दुश्मन देश पर भारी पड़ी। कभी देश बाह्य प्रायोजित आतंकवाद के साथ ही देश के अंदर पलने वाले नक्सल आतंक का शिकार था, आज देश नक्सल हिंसा को निर्णायक रूप से नियंत्रित करने के साथ-साथ सीमा पार स्थित आतंकी ढांचों को निशाना बनाने का साहस भी रखता है।

उत्तराखंड बना सबसे बड़ा लाभार्थी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो राष्ट्रीय विजन आकार ले रहा है, उसका प्रभाव देश के प्रत्येक राज्य में दिखाई दे रहा है। उत्तराखंड इसका एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा देवभूमि उत्तराखंड के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाने योग्य साबित हुआ है। केंद्र सरकार के सहयोग से आज उत्तराखंड में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

विकसित भारत–2047 के संकल्प को पूरा करने में सबका सहयोग जरूरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 6940 करोड़ की 12 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रगति पोर्टल के माध्यम से राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण अवसंरचना एवं विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में परिवहन, ऊर्जा, लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग, सीमा सड़क संगठन तथा अन्य विभागों की 6940 करोड़ की कुल 12 प्रमुख परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी ली गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सभी का योगदान जरूरी है। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि इन परियोजनाओं के कार्यों में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री स्तर पर प्रत्येक माह, मुख्य सचिव स्तर पर 10 दिनों में इसकी समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी और नियमानुसार सख्त कारवाई भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर 50 प्रतिशत तक कार्य हो चुका है, 15 अक्टूबर 2026 तक उन कार्यों को पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी विकास परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में भूमि

हस्तांतरण, वन स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, क्षतिपूर्ति भुगतान अथवा अन्य प्रशासनिक कारणों से विलम्ब हो रहा है, उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग समन्वित रूप से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगति पोर्टल को प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उपयोग करते हुए प्रत्येक परियोजना की नियमित समीक्षा की जाए तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलम्ब से न केवल विकास कार्य प्रभावित होते हैं, बल्कि जनहित एवं आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बैठक में रामनगर आईएसबीटी, रानीखेत बस टर्मिनल, ताड़ीखेत डिपो एवं कार्यशाला, बनबसा एवं रुद्रप्रयाग विद्युत उपकेंद्र परियोजनाओं, चारधाम सड़क परियोजनाओं, अस्कोट-लिपुलेख मार्ग, माणा पास सड़क परियोजना, हरिद्वार एवं काशीपुर क्षेत्र की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने वन भूमि हस्तांतरण, वन एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों, भूमि अधिग्रहण तथा क्षतिपूर्ति वितरण से संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट समयसीमा निर्धारित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिये कि जनपद स्तर पर लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत निगरानी कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा, सीमांत क्षेत्रों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं, विद्युत अवसंरचना तथा परिवहन सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाएं राज्य के समग्र विकास और जनता की सुविधाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से पर्यटन, व्यापार, निवेश एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर से कम है, उनके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र परिणाम सुनिश्चित किए जाएं।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, डॉ. आर.मीनाक्षी सुंदरम, सचिव बृजेश कुमार संत, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, बंशीधर तिवारी, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

कुंभ-2027: निरंजनी अखाड़ा के अध्यक्ष महंत रविन्द्र पुरी के नेतृत्व में संतों के एक दल ने परखी कुंभ मेले की तैयारियां

सीमा पार जापान से आए संतों ने भी देखा हरिद्वार का बदलता स्वरूप

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गंगा तट पर बसी धर्मनगरी हरिद्वार एक बार फिर विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन की तैयारियों में जुटी है। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को लेकर न केवल देशभर के संतों और श्रद्धालुओं में उत्साह है, बल्कि विदेशों में भी सनातन संस्कृति के प्रति आस्था रखने वाले लोगों के बीच इसकी चर्चा तेज हो चुकी है। कुंभ की तैयारियों का अवलोकन करने और उसकी भव्यता का आकलन करने के लिए देश-विदेश से संतों का हरिद्वार आगमन लगातार बढ़ रहा है।

हरिद्वार में आगामी 14 जनवरी से 20 अप्रैल 2027 तक कुंभ मेला आयोजित किया जाएगा। यह केवल स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, संत परंपरा और सामाजिक समरसता का विराट संगम है। हरिद्वार में चल रही तैयारियां इस बात का संकेत हैं कि यह आयोजन न केवल व्यवस्थाओं और आधारभूत संरचना के स्तर पर ऐतिहासिक होगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति की प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

इसी क्रम में सोमवार को श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के अध्यक्ष एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत डॉ. रविन्द्र पुरी जी महाराज के नेतृत्व संतों के एक दल ने कुंभ मेला-2027 के लिए किए जा रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दल में जापान से आए महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानंद गिरी तथा जापानी साध्वी योगमाता सत्य प्रेम गिरी तथा अन्य संत सम्मिलित थे।

संतों के दल ने शंकराचार्य चौक से सिंहद्वार क्षेत्र तक गंगा तट पर विकसित किए जा रहे नए घाटों, सुविधाओं और आधारभूत संरचना का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा स्नान पर्वों के दौरान भीड़ प्रबंधन को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की।

कुंभ को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी

इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने संतों को कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस महाआयोजन को दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभाग समन्वित रूप से तेजी से कार्य कर रहे हैं। कुंभ क्षेत्र में घाटों के विस्तार के साथ-साथ सड़क संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा आपदा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने के लिए आधुनिक तकनीकों एवं बेहतर प्रबंधन प्रणालियों का भी उपयोग किया जाएगा।

संतों ने की राज्य सरकार की तैयारियों की सराहना

निरीक्षण के दौरान संतों के दल ने कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की सराहना करते हुए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता तथा मेला प्रशासन के प्रयासों की जमकर प्रशंसा की। निरंजनी अखाड़े के अध्यक्ष महंत डॉ. रविन्द्र पुरी जी महाराज ने कहा कि हरिद्वार में जिस स्तर पर विकास कार्य चल रहे हैं, वे अभूतपूर्व हैं। नए घाटों के निर्माण से श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी और स्नान पर्वों के दौरान भीड़ प्रबंधन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का विश्वव्यापी उत्सव है। आज जो तैयारियां दिखाई दे रही हैं, वे यह विश्वास दिलाती हैं कि कुंभ-2027 दिव्यता, भव्यता और सुरक्षा के नए मानक स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले वर्ष दुनिया भर से लाखों साधु-संत, आध्यात्मिक साधक और श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचेंगे। कुंभ के माध्यम से विश्व समुदाय भारतीय संस्कृति, धर्म, दर्शन और अध्यात्म की उस विराट परंपरा का साक्षात्कार करेगा, जिसने हजारों वर्षों से मानवता को दिशा प्रदान की है।

जापान से आए संतों ने कुंभ को लेकर कही ये बड़ी बात

इस दौरान जापान से आए संत आदित्यानंद गिरी विशेष रूप से उत्साहित दिखाई दिए। जापान के टोयामा प्रांत के त्सुरुगी पर्वतीय क्षेत्र में आश्रम स्थापित कर सनातन आध्यात्मिक चेतना के प्रसार में जुटे स्वामी आदित्यानंद गिरी निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में चल रही तैयारियां अत्यंत प्रभावशाली हैं और इससे स्पष्ट होता है कि भारत अपनी आध्यात्मिक विरासत को लेकर कितना गंभीर है। उन्होंने कहा कि कुंभ में सहभागिता उनके लिए केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उत्तरदायित्व भी है। जापान में बड़ी संख्या में लोग भारतीय संस्कृति, योग और सनातन दर्शन के प्रति आकर्षित हो रहे हैं तथा आगामी कुंभ में उनके अनेक शिष्य भी हरिद्वार आने की योजना बना रहे हैं। उनके अनुसार कुंभ भारत की आध्यात्मिक चेतना का ऐसा जीवंत स्वरूप है, जिसकी अनुभूति दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है। जापानी साध्वी योगमाता सत्य प्रेम गिरी भी हरिद्वार में चल रही तैयारियों को देखकर अत्यंत प्रभावित नजर आईं। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर आयोजित होने वाला कुंभ मानवता को जोड़ने वाला आध्यात्मिक महोत्सव है। यह ऐसा अवसर है, जहां विभिन्न देशों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग एक ही भावना–आध्यात्मिक उन्नयन और आत्मिक शांति–के लिए एकत्रित होते हैं। उन्होंने कहा कि गंगा के पवित्र तट पर कुंभ में सम्मिलित होना उनके लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य का विषय होगा। उनके अनुसार कुंभ सनातन परंपरा का सर्वोच्च उत्सव है और स्वाभाविक रूप से पूरी दुनिया के लोगों में इसके प्रति गहरा आकर्षण रहता है। यह आयोजन विश्व को भारतीय अध्यात्म, सह-अस्तित्व और मानव कल्याण के संदेश से जोड़ने का कार्य करता है।

एक नजर

कचरा एवं ठोस अपशिष्ट के उचित निस्तारण के लिए सीडीओ ने दिये अधिकारियों को दिशा– निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक कचरा एवं ठोस अपशिष्ट के उचित निस्तारण हेतु जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि का मा. उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के आदेशों के क्रम में ठोस अपशिष्ट के उचित निस्तारण हेतु सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में साफ सफाई व्यवस्था का उचित प्रबन्धन करे जिसमें गीला कूड़ा एवं सुखा कूड़ा को पृथक करते हुए उसका उचित निस्तारण करना सुनाश्चित करे। उन्होंने नगर निगम नगर पालिका, नगर पंचायतों, जिला पंचायत, पंचायतराज विभाग और विकास अधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों को को निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का उचित प्लान बनाते हुए सफाई करना सुनाश्चित करे। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए है कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाले कूड़े के उचित निस्तारण हेतु सभी प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए, गाँव से निकलने वाले कूड़े का उचित निस्तारण किया जाए तथा के लिए पूरी कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनपद में साफ सफाई व्यवस्था शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक सफाई व्यवस्था निरंतर बेहतर ढंग से की जाएं तथा घरो से, फैक्ट्रियों से, दुकानों से, होटल ढाबों से, चिकित्सालयों से निकलने वाले कूड़े कचरे एवं ठोस अपशिष्ट के लिए जिसमें गीला कूड़ा एवं सुखा कूड़ा के उचित निस्तारण के लिए बेहतर ढंग से कार्य योजना तैयार करे, जिसमें प्लास्टिक कूड़ा, ठोस अपशिष्ट/मेडिकल वेस्ट,सेनेटरी नपकिन, डाइपर के उचित निस्तारण हेतु कूड़ा वाहनों में चार तरह के कंटेनर रखने के निर्देश दिए तथा कूड़े का उचित निस्तारण किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड को भी निर्देश दिए है कि फैक्ट्रियों से निकलने वाले कूड़े कचरे का उचित निस्तारण किया जाए,यदि किसी फैक्ट्रियों द्वारा नहीं किया जाता है तो संबंधित के खिलाफ के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनाश्चित की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने आम जनमानस से भी अपेक्षा की है कि जनपद में चलाए जा रहे सफाई अभियान में सभी अपना पूर्ण सहयोग करे तथा सफाई के संबंध में किसी को कोई सुझाव एवं समस्या के लिए विकास भवन में स्थापित स्वच्छता कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 8273371714 पर अपनी समस्या एवं सुझाव दर्ज करा सकते है। बैठक मे अपर जिलाधिकारी प्रशासन जितेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह, परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा0 शि0)अमित कुमार चन्द, जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल,जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, स्वजल नोडल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी,मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह सहित सभी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, नगर पालिका एवं खंड विकास अधिकारी ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए एडीएम ने की बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला अधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में उप निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार ने उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की आसन्न घोषणा 14 मई 2026 को की जा चुकी है। इस संबंध में पुनरीक्षण कार्यक्रम के विभिन्न चरणों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया गया कि गणना प्रपत्रों की प्रिंटिंग एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कार्य 29 मई से 07 जून 2026 तक किया गया है, जबकि आज 08 जून से बी.एल.ओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है जो 07 जुलाई तक चलेगा। 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके उपरांत 15 सितम्बर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद की 11 विधानसभा क्षेत्रों में इस पुनरीक्षण कार्य हेतु 11 ईआरओ, 64 एईआरओ तथा 1715 बीएलओ तैनात किए गए हैं। बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया जाएगा, साथ ही पात्र नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि 01 जुलाई 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही मतदाता सूची में नाम संशोधन, विलोपन आदि के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपेक्षा की कि वह बीएलए-2 के माध्यम से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया जा सके जिससे जनपद में शत-प्रतिशत शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के प्रत्येक चरण को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना सुनिश्चित करें, साथ ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि जिन विधानसभा मतदेय स्थलों पर बीएलए-2 नियुक्त नहीं किए गए हैं, वहां शीघ्र ही बीएलए-2 की नियुक्ति जल्द से जल्द करें तथा इसकी सूची जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्वाचन संबंधी कार्य समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सकें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्ण अनुपालन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में विधायक कलियर फुरकान अहमद जिला अध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा जिला उपाध्यक्ष भाजपा लव शशर्मा जिला महामंत्री भाजपा हीरा बिष्ट, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र पाल जिला कार्यालय प्रभारी नकली सिंह सैन, राजेंद्र चौधरी अध्यक्ष जिला कांग्रेस रुड़की, फारुख प्रधान कांग्रेस बालेश्वर सिंह अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी हरिद्वार, चंद्रपाल सिंह कांग्रेस राजीव गर्ग सीपीएम, मदनपाल जिला अध्यक्ष बहुजन समाजवादी पार्टी , मुख्य प्रशासनिक अधिकारी धनपाल सिंह रावत सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे ।

जनसुनवाई में दर्ज हुई 85 समस्याएं, 43 समस्याओं का मौके पर कराया गया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 85 शिकायते/ समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें से 43 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, अतिक्रमण, जल भराव, पेयजल, राशन कार्ड आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे,इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनसुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों द्वारा जो भी समस्या दर्ज कराई जा रही है,उनका संबंधित अधिकारी शीर्ष प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करना सुनाश्चित करे।

फरियादियों को वितरित किए गए फलदार पौधे

बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में चल रही हरित हरिद्वार मुहिम को सफल बनाने के उद्देश्य से आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक सराहनीय पहल की गई। कार्यक्रम में उपस्थित फरियादियों को वन विभाग के सहयोग से रेंज अधिकारी शीशपाल सिंह ने फलदार सौ पौधों का वितरण किया गया।जिसमें आम,अमरूद, आंवला एवं जामुन आदि के पौधे थे। इस अवसर पर प्रशासन द्वारा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि फलदार पौधों का वितरण न केवल हरित क्षेत्र को बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि आमजन को पोषण और आर्थिक लाभ भी प्रदान करेगा।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों पर प्रशासन गंभीर

बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायते दर्ज की जा रही है,उनको सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निरंकरण करना सुनिश्चित करे,उन्होंने निर्देश दिए है कि 36 दिन से अधिक जो भी शिकायते लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करना सुनिश्चित करे। जिसमें एल 1 पर 524 शिकायतें तथा एल 2 पर 128 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है,जिन्हें शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए साथ ही शिकायतकर्ता से सिस्टम के माध्यम से फोन पर वार्ता करे। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने पाया है कि कई विभागों द्वारा 36 दिन से शिकायतों का निस्तारण नहीं किया गया है,उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द समस्याओं का निरंकारण करना सुनाश्चित करे,इसने किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हिदायत दी है कि लंबित शिकायतों का निस्तारण तत्परता से करना सुनिश्चित करे।

ये अधिकारी रहे बैठक में शामिल

बैठक मे अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह, परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा0शि0) अमित कुमार चन्द,सहायक श्रम आयुक्त प्रशांत कुमार,अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, आर एम सिडकुल कमल किशोर स्वजल नोडल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी उरेडा युद्धवीर सिंह बिष्ट, जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

एक नजर

सीवरेज के लिए खोदी गई सड़कों को त्वरित गति से किया जा रहा ठीक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार शहर के अंतर्गत सीवरेज कार्य हेतु खोदी गई सड़कों से क्षेत्रीय जनता, व्यापारियों को हो रही परेशानी के दृष्टिगत जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने चल रहे निर्माण कार्यों को त्वरित गति से दिन रात कार्य करते हुए पूर्ण करने के निर्देश दियें हैं। परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मिनाक्षी मित्तल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में केएफडब्ल्यू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज 01 एवं पैकेज 02 के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क पुनर्निर्माण संबंधी कार्य जिसके तहत 07 जून को किए गए निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है जिसमें- पैकेज 01 के अंतर्गत हरिपुर कलां में काम रुका हुआ है। भारी वाहनों के प्रवेश पर लगी पाबंदियों के कारण सड़क का काम बाधित हुआ। तथा पैकेज 02 के अंतर्गत राजविहार फेस 1 पावर ब्लॉक 110 मीटर, राजविहार फेस 2 पावर ब्लॉक 32 मीटर, शिवपुरी कॉलोनी सीसी रोड 120 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कुल 262 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सड़कों का कार्य दिन-रात त्वरित गति से किए जा रहे है।

एसआईआर की शुरुआत, सोमवार से मतदाताओं को बांटें गये गणना फार्म

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज सोमवार से जनपद के सभी मतदाताओं को गणना फार्म बांटने का कार्य बीएलओ द्वारा शुरू कर दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के समस्त मतदाताओं से बूथ लेवल एजेंट्स को सहयोग करने की अपील की है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी 1715 बीएलओ के पास गणना फार्म पंहुचा दिए गए हैं। इस अभियान के तहत जनपद के सभी मतदाताओं को गणना फार्म उपलब्ध कराए जाएंगे। आगामी 7 जुलाई तक एक माह के समय में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फार्मो को बीएलओ एप्प के माध्यम से डिजिटलाइज किया जाएगा।

मतदाता 'बुक ए कॉल' फीचर का ले सकते हैं लाभ

जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने अवगत कराया है कि जनपद के ऐसे मतदाता नौकरी या अन्य पेशे से जुड़े होने के कारण दिन में घर पर उपलब्ध नहीं हैं तो वे 'बुक ए कॉल विद BLO' के फीचर से एक क्लिक पर अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक करा सकते हैं। इसके लिए मतदाता https://voters.eci.gov.in वेबसाइट पर विजिट करके या ECI-Net मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर अपनी कॉल बुक करा सकते हैं। कॉल बुक कराने के बाद दो दिन के भीतर बीएलओ द्वारा मतदाता से स्वयं संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा बीएलओ के क्षेत्र भ्रमण के दौरान कोई मतदाता घर पर नहीं मिलता है तो ऐसी स्थिति में बीएलओ तीन बार घर पर विजिट करेंगे और बीएलओ घर पर स्टीकर लगाकर अपने अगले विजिट की डेट और मोबाइल नंबर लिखेंगे, मतदाताओं द्वारा बीएलओ से संपर्क कर सुविधानुसार गणना फार्म भरा जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के मतदाताओं से अपना नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो गणना फार्म के साथ बीएलओ को उपलब्ध कराने की अपील की है।

जिलाधिकारी की सख्ती का असर, 45 बसों के चालान, 06 बसें सीज और 05 वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्तीकरण की संस्तुति

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन में जनपद हरिद्वार में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा यात्री वाहनों के सुरक्षित एवं नियमबद्ध संचालन के उद्देश्य से दिनांक 06 एवं 07 जून, 2026 को लक्जरी एवं अन्य यात्री बसों के विरुद्ध विशेष सघन प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

एआरटीओ प्रशासन निखिल शर्मा ने बताया कि यह अभियान नेहा झा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), हरिद्वार एवं कृष्णा पलारिया, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुड़की के नेतृत्व में परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों, इंटरसेप्टर वाहनों तथा तकनीकी निरीक्षण दलों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत हरिद्वार, रुड़की, राष्ट्रीय राजमार्गों, प्रमुख यात्री मार्गों, बस अड्डों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर संचालित लक्जरी बसों एवं यात्री वाहनों का व्यापक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, कर अदायगी, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र, चालक अनुज्ञप्ति, स्पीड गवर्नर, जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अन्य अनिवार्य सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण किया गया। जांच के दौरान अनेक वाहनों में विभिन्न प्रकार की तकनीकी एवं वैधानिक अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर मोटर वाहन अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के दौरान कुल 45 बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 06 बसों को सीज किया गया। इसके अतिरिक्त तकनीकी मानकों के अनुरूप न पाए जाने वाले 05 वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त किए जाने हेतु सक्षम प्राधिकारी को संस्तुति प्रेषित की गई है।

अभियान के दौरान विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया गया कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का पूर्ण अनुपालन हो तथा सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में सुरक्षा एवं अनुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। परिवहन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों एवं संचालकों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार के सघन प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

इस विशेष अभियान में वरुणा सैनी, परिवहन कर अधिकारी, भारत भूषण, मुकेश भारती, रविन्द्र पाल सैनी, हरीश रावल, संगीता धीमान, नवीन तिवारी, के.के. बिजल्वाण तथा आनंद वर्धन, सम्भागीय निरीक्षक (तकनीकी) सहित परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सक्रिय सहभागिता करते हुए अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। परिवहन विभाग ने समस्त वाहन स्वामियों एवं संचालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के समस्त अभिलेख अद्यतन रखें, वाहनों का नियमित अनुरक्षण कराएं तथा निर्धारित सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। नियमों का पालन न केवल दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहायक होगा, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीडीओ ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 प्राइवेट ए.आई कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला सभागार, हरिद्वार में पशुपालन विभाग के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र द्वारा जनपद में कृत्रिम गर्भाधान (ए.आई.) के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 प्राइवेट ए.आई. (Artificial Insemination) कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उत्तराखंड लाइवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड (ULDB) के मुख्य अधिशासी अधिकारी (CEO) डॉ. आर.एस. नेगी ने विभाग की भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में पशुओं की नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक (Embryo Transfer Technology) को व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा। इस तकनीक के माध्यम से उच्च नस्ल एवं अधिक उत्पादकता वाले पशुओं का संवर्धन संभव होगा, जिससे पशुपालकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि इस आधुनिक तकनीक के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा जिला योजना के अंतर्गत आवश्यक धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने सम्मानित कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन की गुणवत्ता सुधारने में प्राइवेट ए.आई. कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई तकनीक एवं स्वीकृत बजट के समन्वय से हरिद्वार जनपद पशुपालन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम में जिलास्तरीय अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशा: अभिलेखागार

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकर्ताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्ज़त दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है।

आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला

कुमार कृष्णन

गंगा नदी का कटाव एक विकराल समस्या है, जो हर साल सैकड़ों किसानों और परिवारों को बेघर कर रही है। बिहार के मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय के साथ साथ की जिलों में यह समस्या है।हर साल गंगा का बढ़ता कटाव किसानों की जमीन निगल रहा है, घरों पर संकट खड़ा कर रहा है और हजारों परिवारों का भविष्य असुरक्षित बना रहा है। गंगा कटाव पीड़ितों का दर्द केवल बाढ़ के समय का नहीं, बल्कि हर साल अपना आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला जारी है।हर साल कटाव के कारण सैकड़ों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि और लोगों के पक्के घर गंगा में समा जाते हैं।पीड़ित परिवारों का दर्द अकल्पनीय और गहरा होता है। अपनी मेहनत की कमाई से बनाया गया आशियाना और पुस्तैनी जमीन जब पल भर में नदी के गर्भ में समा जाती है, तो वे पूरी तरह बेघर और भूमिहीन हो जाते हैं। पीड़ित परिवारों के पास न तो घर बचता है और न ही खेती के लिए एक इंच जमीन। वे पूरी तरह से बेघर हो जाते हैं।तक़रीबन 18 साल से कटाव पीड़ित अपने अस्तित्व की रक्षा, खेती बचाने और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।टीकारामपुर, दक्षिणी रहीमपुर, मध्य रहीमपुर, उत्तरी रहीमपुर और बरारी रघुनाथपुर समेत कई पंचायतों में गंगा का कटाव लगातार बढ़ रहा है। इससे खेती योग्य जमीन तेजी से नदी में समा रही है और कई परिवारों के सामने विस्थापन का खतरा खड़ा हो गया है। समाजसेवी नागेंद्र सिंह त्यागी , राकेश कुमार मंडल और ई. धर्मेंद्र कुमार बताते हैं कि गंगा कटाव अब विकराल रूप धारण कर चुका है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हजारों परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विकास का एक अलग ही माडल चल पड़ा है। गंगा के किनारे मरीन ड्राइव की बात तो की जाती है, लेकिन गंगा के कटाव और विस्थापन का सवाल हाशिए पर है। तभी तो 18 साल से लगानी लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र यानी दियारे की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार खेती है। कटाव पीड़ितों ने अपनी पीड़ा का इजहार गंगा किनारे उपवास कर रखा और गंगा मैया से मुक्ति की गुहार लगाई।

मुंगेर सदर प्रखंड के टीकारामपुर में गंगा कटाव के स्थायी समाधान हेतु हो रहे जन आंदोलन के दूसरे चरण में गंगा पूजन एवं एकदिवसीय उपवास किया गया।

आंदोलन से आरंभिक दौर से जुटे अनिल यादव बताते हैं कि गंगा कटाव रोकने हेतु बंडाल के सवाल पर 2008 से हीं आंदोलन का शुरुआत किया था। जो श्याम किशोर यादव, शिवनंदन यादव, जनार्दन यादव, इंद्रदेव यादव जैसे प्रबुद्ध लोगों के अगुवाई में लड़ा गया। जिसमें 2018 में कुछ सफलता भी मिली। लंबे संघर्ष के बाद बिहार सरकार द्वारा चार लगभग पांच किलोमीटर बंडल 51 करोड़ की लागत से बनाया गया लेकिन विभागीय लापरवाही से बहुत जल्द बंडाल समाप्त भी हो गया। इस क्षेत्र के लोगों का मानना है कि एकजूट अहिंसात्मक संघर्ष से सरकार को झुकाने में अवश्य कामयाब होंगे।अवध बिहारी संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. उमेश प्रसाद सिंह एवं सुभाष चन्द्र जोशी ने आंदोलन पर बैठे महिलाओं एवं पुरुषों में जोश भरते हुए कहा कि मानव जब जोर लगाता है तो पत्थर भी पानी बन जाता है। जिस दिन इस क्षेत्र के सशक्त नारी एवं पुरुष की इच्छाशक्ति मजबूत होगी, उसी दिन सरकार को कटाव पीड़ित परिवार के सामने घुटने टेकना होगा और स्थायी समाधान करना होगा। इस आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारी पूर्व मुखिया पांडव यादव, वर्तमान मुखिया पांडव महतो, योगेंद्र यादव, राकेश यादव, ओमप्रकाश राय, पूर्व जिला परिषद सदस्य कृष्ण कुमार उर्फ मुन्ना यादव, विवेका यादव, मिंटू यादव, पप्पू यादव, शंकर यादव रामपुर पंचायत के मुखिया कृष्णानंद यादव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय पोद्दार, चंद्रशेखर यादव उर्फ़ पप्पू यादव,राजद जिलाध्यक्ष संजय सिंह, साहेब महतो, संजय पोद्दार, देवकीनंदन यादव, उमेश यादव, बबलू यादव, कैलाश यादव, मिंटू यादव, पीयूष यादव, योगेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, श्रवण कुमार यादव, आकाशदीप यादव, गजेंद्र हिमांशु, पूर्व जिप सदस्य अजीत सरकार, ध्रुव कुमार यादव, रंजीत यादव, सत्तो यादव, पंकज यादव, प्रवीण कुमार, राजीव महतो सहित बड़ी संख्या में सैकड़ो कटाव परिवार की मौजूदगी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सर्वप्रथम बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलकर अपनी बातें रखेंगे। मुख्यमंत्री से इस क्षेत्र के लोगों को इसलिए उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कभी इस क्षेत्र यानी खगड़िया के परवत्ता से विधायक थे। दूसरे मुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र मुंगेर जिले का तारापुर विधानसभा है और वहीं से विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद भी बात नहीं बनी तो हम पांचों पंचायत की जनता अलग-अलग मुंगेर, खगड़िया और साहेबपुर कमाल के विधायक के साथ हीं मुंगेर खगड़िया एवं बेगूसराय के सांसद के घर पर से ही घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन आरंभ करेंगे ? सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी तो सांसद विधायक की तो अवश्य सुनेगी। इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ेंगें।युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने गंगा यह संकल्प दोहराया कि जिस आंदोलन के मशाल को इस क्षेत्र के प्रबुद्ध योद्धाओं ने जलाया उसे बुझाने नहीं देंगे।

कला संसार में प्रेम, प्रकृति और आत्मा का विलक्षण संगम

ललित गर्ग

कला केवल रंगों, रेखाओं और आकृतियों का संयोजन नहीं होती, वह जीवन की अनुभूतियों, संबंधों और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। जब दो कलाकार अपने-अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व, दृष्टि और शैली के साथ जीवन की यात्रा में सहयात्री बनते हैं, तब उनकी रचनात्मकता एक नए आयाम को जन्म देती है। डॉ. अनूप कुमार चांद और शुभ्रा चांद की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा और उनकी समानांतर कला-यात्रा इसी अद्भुत एवं विलक्षण संगम का साक्ष्य है। यह केवल विवाह की रजत जयंती नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और सृजनशीलता के पच्चीस वर्षों का उत्सव है। निश्चित ही कुछ यात्राएँ समय की गणना से नहीं, संवेदनाओं की गहराई से मापी जाती हैं। कुछ संबंध केवल सामाजिक बंधन नहीं होते, वे दो चेतनाओं का ऐसा संगम होते हैं, जहाँ जीवन और सृजन एक-दूसरे के पर्याय बन जाते हैं। अनूप और शुभ्रा की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा तथा उनकी कला-साधना ऐसी ही एक दुर्लभ यात्रा है, जिसमें प्रेम केवल भावना नहीं रहा, बल्कि सृजन का मूल बीज बना और कला केवल अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि आत्मानुभूति का माध्यम बन गई। दिल्ली के इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर में तरूण आर्ट गेलैरी के द्वारा 4-7 जून, 2026 तक आयोजित इस संयुक्त प्रदर्शनी में इन कलाकार द्वय की दो शैलियों का आनन्द कलाप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर लिया। नई दिल्ली में आयोजित यह 'सृजन के 25 वर्ष' प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि दो रचनात्मक आत्माओं के जीवन-दर्शन का सार्वजनिक उत्सव है। यह प्रदर्शनी बताती है कि कला और जीवन जब एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं, तब सृजन का स्वरूप कितना व्यापक और प्रभावशाली हो सकता है। यह आयोजन इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि महान कला केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारस्परिक सम्मान और साझा स्वप्नों से जन्म लेती है।

आज जब संसार का बड़ा हिस्सा उपभोग, प्रदर्शन और तात्कालिक उपलब्धियों की संस्कृति में उलझा हुआ है, तब अनूप और शुभ्रा की कलायात्रा हमें उस भारतीय कला-दृष्टि की याद दिलाती है, जिसमें कला का उद्देश्य केवल सौंदर्य का निर्माण नहीं, बल्कि सत्य, शिव और सुंदर की अनुभूति कराना है। भारतीय चिंतन में कला को साधना कहा गया है। साधना का अर्थ है-अपने भीतर उतरना, स्वयं को तराशना और अंततः उस चेतना का स्पर्श करना जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है। यही तत्व इन दोनों कलाकारों की रचनात्मक सृजन में दिखाई देता है। अनूप की कला प्रकृति से संवाद करती है। उनके चित्रों में समुद्र की लहरें, वन्य जीवन, ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कृति और मानवीय संवेदनाएँ केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के भीतर धड़कती हुई चेतना की अभिव्यक्ति हैं। वे प्रकृति को वस्तु नहीं मानते, बल्कि एक जीवित सत्ता के रूप में देखते हैं। उनकी कला मानो यह संदेश देती है कि मनुष्य और प्रकृति दो अलग इकाइयाँ नहीं हैं; दोनों एक ही अस्तित्व की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ हैं। उनके रंगों में पर्यावरणीय चिंता है, उनकी रेखाओं में करुणा है और उनकी आकृतियों में जीवन के प्रति गहरा सम्मान है। अनूप की कला प्रकृति, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों से संवाद करती है। वे प्रकृति के माध्यम से मनुष्य के अंतर्मन को पढ़ते हैं, गढ़ते हैं।

दूसरी ओर शुभ्रा की कला हमें दृश्य जगत से अदृश्य जगत की ओर ले जाती है। उनके कैनवास पर रंग केवल रंग नहीं रहते, वे ध्यान की मुद्रा बन जाते हैं। वृत्त, सर्पिल और ऊर्जा के विविध रूपों के माध्यम से वे उस ब्रह्मांडीय लय को अभिव्यक्त करती हैं, जो सृष्टि के प्रत्येक कण में स्पंदित हो रही है। उनकी कला में अध्यात्म किसी धार्मिक प्रतीक या कर्मकाण्ड के रूप में नहीं आता, बल्कि चेतना के विस्तार के रूप में प्रकट होता है। उनके चित्रों को देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो रंग ध्यान कर रहे हों और आकृतियाँ मौन में कोई गूढ़ संवाद कर रही हों। उनका कला संसार अमूर्तन, आध्यात्मिकता और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से निर्मित है। उनके कैनवास पर वृत्त, सर्पिल और रंगों की लय केवल दृश्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि चेतना की गहन यात्राएँ हैं। वे दर्शक को बाहरी दुनिया से भीतर की यात्रा की ओर ले जाती हैं।

एक कलाकार प्रकृति का कवि है, तो दूसरी आत्मा की चित्रकार। एक धरती की धड़कनों को सुनता है, दूसरी ब्रह्मांड की निस्तब्धता को रंगों में व्यक्त करती है। किंतु आश्चर्य यह है कि दोनों की दिशाएँ अलग होते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही है-मानव संवेदना का विस्तार। वास्तव में अनूप और शुभ्रा की कला भारतीय दर्शन के दो महत्वपूर्ण आयामों का प्रतिनिधित्व करती है। अनूप की कला प्रकृति के माध्यम से आत्मा तक पहुँचती है, जबकि शुभ्रा की कला आत्मा के माध्यम से ब्रह्मांड तक। एक बाहर से भीतर की यात्रा है, दूसरी भीतर से बाहर की। किंतु दोनों का गंतव्य एक ही है-चेतना का विस्तार और जीवन की गहनतर समझ। उनके वैवाहिक जीवन के पच्चीस वर्ष भी इसी कला-दर्शन का विस्तार हैं। यह केवल साथ रहने की कहानी नहीं है, बल्कि साथ विकसित होने की कहानी है। सामान्यतः दाम्पत्य में एक व्यक्ति दूसरे पर प्रभावी हो जाता है, किंतु यहाँ दोनों ने एक-दूसरे की स्वतंत्रता को संरक्षित रखा। उन्होंने प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को चुना; वर्चस्व नहीं, संवाद को महत्व दिया। यही कारण है कि दोनों की कला स्वतंत्र पहचान रखती है, फिर भी उनके जीवन में अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

अनूप एवं शुभ्रा की वैवाहिक एवं कला यात्रा यह भी सिखाती है कि प्रेम का सर्वोच्च स्वरूप स्वामित्व नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व है। जहाँ एक-दूसरे को बदलने की कोशिश नहीं होती, बल्कि एक-दूसरे के भीतर छिपी संभावनाओं को विकसित होने का अवसर दिया जाता है। यही प्रेम जब कला से जुड़ता है तो वह रचना बन जाता है, और जब जीवन से जुड़ता है तो वह संस्कृति का रूप ले लेता है। हर सफल कलाकृति के पीछे एक गहरी अनुभूति होती है और हर सफल दाम्पत्य के पीछे विश्वास एवं सहयोग का आधार। अनूप और शुभ्रा की कहानी भी इसी सत्य को प्रमाणित करती है। शोध और अध्ययन के दिनों में प्रारम्भ हुई उनकी निकटता केवल भावनात्मक आकर्षण नहीं थी, बल्कि विचारों, संवेदनाओं और कला-दृष्टि का मिलन भी थी। यह संबंध समय के साथ इतना परिपक्व हुआ कि दोनों ने एक-दूसरे के भीतर छिपे कलाकार को विकसित होने की पूरी स्वतंत्रता और ऊर्जा प्रदान की। उनका दाम्पत्य इस बात का उदाहरण है कि विवाह केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि दो आत्माओं की साझा साधना भी हो सकता है। जहाँ सामान्यतः वैवाहिक जीवन में व्यक्तित्वों का संघर्ष दिखाई देता है, वहीं इन दोनों कलाकारों ने व्यक्तित्वों का समन्वय रचा। यही कारण है कि उनका संबंध आज भी उतना ही जीवंत और रचनात्मक दिखाई देता है जितना पच्चीस वर्ष पूर्व था।

विश्वविद्यालयों में साइबर सुरक्षा के हो पुख्ता इंतजाम: डॉ. धन सिंह रावत

पथ प्रवाह, देहरादून।

राजकीय विश्वविद्यालयों में साइबर सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। जिससे छात्र-छात्राओं का डाटा सुरक्षित रखने के साथ ही भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 में लागू डीपीडीपी एक्स का भी पालन सुनिश्चित किया जा सके। इस संबंध में सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सोमवार को अपने शासकीय आवास पर राज्य विश्वविद्यालयों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालयों के वेब एप्लिकेशन को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने व डाटा लीक संबंधी मामलों के लिये ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश कुलपतियों को दिये। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डिजिटल डाटा की सुरक्षा एक चुनौती के रूप में सामने आई है, जिसके लिये सभी विश्वविद्यालयों को डिजिटल सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। विभागीय मंत्री ने कहा कि देश में साइबर हमलों की सुरक्षा के लिये केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट (डीपीडीपी) लागू कर दिया है, जिसके तहत साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनियता और आनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये हैं। राज्य विश्वविद्यालयों को भी विश्वविद्यालय एवं छात्र-छात्राओं के डाटा के सुरक्षा के लिये समुचित कदम उठाने होंगे, ताकि किसी भी प्रकार की साइबर फ्रॉड से बचा जा सके। बैठक में विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिये गये गांवों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिये गये। साथ ही प्रत्येक विश्वविद्यालयों से 20-20 मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये गये। जिनको राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार 'एक विश्वविद्यालय एक शोध' योजना के तहत विश्वविद्यालयों को 5-5 मिनट का प्रस्तुतिकरण तैयार करना अनिवार्य होगा, जिसका प्रस्तुतिकरण कुलाधिपति के सम्मुख किया जायेगा। इसके अतिरिक्त संस्कृत विश्वविद्यालय को हरिद्वार में देशभर के संस्कृति विश्वविद्यालयों की कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें देववाणी संस्कृत के संरक्षण व संवर्द्धन को लेकर प्रस्तुतिकरण दिया जायेगा।

समीक्षा बैठक में सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति गणों द्वारा साइबर सुरक्षा एवं परीक्षा संचालन को लेकर अपने-अपने विश्वविद्यालयों से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया गया, तथा भविष्य की चुनौतियों को देखते हुये नई कार्ययोजना बनाने पर सहमति जताई। बैठक में आगामी छात्र संघ चुनावों में 50 फीसदी पदों छात्राओं के लिये सुरक्षित रखने पर भी सहमति जताई गई। बैठक में सचिव उच्च शिक्षा बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. डी.एस. रावत, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन.के. जोशी, कुलपति सोबन सिंह जीन विश्वविद्यालय प्रो. एस.पी.एस बिष्ट, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. रमाकांत पाण्डेय, कुलपति तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. तृप्ता ठाकुर, अपर सचिव उच्च शिक्षा मनुज गोयल, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. वी.एन. खाली, परीक्षा नियंत्रक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय प्रो. आशुतोष भट्ट सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आईजी गढ़वाल की अपराध समीक्षा बैठक: लापरवाही पर सख्ती, उत्कृष्ट कार्य पर सम्मान

पथ प्रवाह, देहरादून

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र, राजीव स्वरूप ने सोमवार को पुलिस लाइन देहरादून में जनपद के अधिकारियों के साथ विस्तृत अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जनपद में घटित अपराधों, उनके अनावरण तथा पुलिस की कार्यप्रणाली की सर्किलवार समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

आईजी गढ़वाल ने गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र खुलासे पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विवेचनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और गुण-दोष के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल के थानों का नियमित निरीक्षण कर विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया। बैठक के दौरान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत जनपद पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की सराहना करते हुए इसमें और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मुख्यालय और रेंज स्तर से संचालित अभियानों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आईजी ने सभी थाना प्रभारियों को सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से रैश ड्राइविंग, ड्रंक एंड ड्राइव और ओवरस्पीडिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी बल दिया गया।

आईजी गढ़वाल ने ईनामी और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए थाना स्तर पर विशेष टीमें गठित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया।

उन्होंने बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन को लेकर भी सख्ती दिखाई और सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए। किरायेदारों, फड़-ठेली संचालकों और मजदूरों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 49 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आईजी ने सभी से भविष्य में भी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई।

एक नजर

शिक्षकों से मारपीट मामले में एक और पुलिसकर्मी निलंबित

पथ प्रवाह, देहरादून। राजकीय पॉलिटेक्निक पित्थूवाला में शिक्षकों के साथ मारपीट के मामले में पुलिस विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेन्द्र डोबाल ने कांस्टेबल महेश उनियाल को निलंबित कर दिया है। इससे पहले इसी प्रकरण में दारोगा महेश कंडवाल को भी निलंबित किया जा चुका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागीय जांच जारी है और एक अन्य पुलिसकर्मी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत एन्यूमरेशन फॉर्म भरने का कार्य शुरू

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन का कार्य शुरू कर दिया है।

यह जानकारी अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी युक्ता मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि बीएलओ मतदाताओं को फॉर्म उपलब्ध कराने के साथ-साथ भरे हुए फॉर्म प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन भी कर रहे हैं। इसके अलावा मतदाता ऑनलाइन माध्यम से भी स्वयं अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने वोटर हेल्पलाइन ऐप और पोर्टल की सुविधा उपलब्ध कराई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन कार्यालय अल्मोड़ा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर मतदाताओं को इस प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए मतदाता के पास नवीनतम फोटो, वर्तमान मतदाता सूची से संबंधित जानकारी तथा वर्ष 2003 की मतदाता सूची में स्वयं अथवा माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी के नाम से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होना आवश्यक है। युक्ता मिश्र ने जनपद के सभी पात्र मतदाताओं से समय पर एन्यूमरेशन फॉर्म भरने और निर्वाचन सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

साइबर ठगों से एसटीएफ ने पीड़ितों की बचायी 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि

पथ प्रवाह, देहरादून।

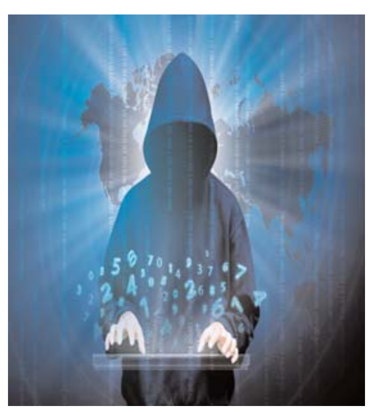

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड के देवभूमि उत्तराखण्ड को अपराध मुक्त बनाये रखने के मिशन के अन्तर्गत पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड, दीपम सेठ के दिशा निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा साइबर अपराध पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने तथा अपराधिक घटना में संलिप्त साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश निर्गत किये गये हैं।

जिसके क्रम में एसटीएफ के अधीन संचालित राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम को साइबर अपराध पीड़ितों की धनराशि को होल्ड/बचाये जाने हेतु त्वरित कार्यवाही किये जाने के निर्देश किया गये है, फलस्वरुप राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम द्वारा वर्ष 2026 माह मई की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि को सुरक्षित/वापस कराया गया।

वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम की गुणवक्ता मे बढ़ोतरी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा follow-up टीम का गठन किया गया। नियुक्त follow-up टीम द्वारा माह मई में एक माह की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि को होल्ड कराया गया। गठित follow-up टीम द्वारा अपने अतिरिक्त प्रयासो से माह मई में साइबर अपराध पीड़ितों के साथ धोखाधड़ी की विभिन्न बैंक खातों में होल्ड धनराशि को कोर्ट रिलीज ऑर्डर के माध्यम से सम्बन्धित नोडलो को मेल कर पीड़ितों के खाते में 7.74 लाख रूपये की धनराशि वापस कराए गए है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड ने जनता से अपील की है कि अपना बैंक खाता किसी अन्य को उपयोग हेतु न दें, कमीशन/किराये पर खाता देना अपराध है, ATM कार्ड, OTP, PIN, UPI PIN साझा न करें, अज्ञात धनराशि आने पर तुरंत बैंक/पुलिस को सूचित करें तथा अन्जान नम्बरों से आने वाली वीडियो कॉल से बात न करें, न ही कोई सूचना/दस्तावेज दें। यदि कोई आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी आदि का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट करने को डराये धमकाये तो घबरायें नहीं, कोई भी एजेन्सी ऑनलाइन गिरफ्तार नहीं करती है। किसी भी प्रकार के लोक लुभावने अवसरों / फर्जी साईट / धनराशि दोगुना करने के प्रलोभनों में न आयें। साथ ही फर्जी निवेश ऑफर जैसे YouTube like सब्सक्राइब, टेलीग्राम आधारित निवेश वेबसाइट ऑफर में निवेश न करें। गूगल से कोई भी कस्टमर केयर नम्बर को सर्च न करें। तेजी से बढ़ रहे इन्वेस्टमेंट स्कैम्स ने लाखों लोगों को अपना शिकार बनाया है। स्कैमर्स वेबसाइट्स और नकली रिव्यू प्रोग्राम्स के माध्यम से लोगों को पहले छोटे-छोटे इनाम देकर भरोसा जीतते हैं तथा फिर धीरे-धीरे उन्हें भारी रकम निवेश करने पर मजबूर कर देते हैं। कम समय में अधिक लाभ के चक्कर में इन्वेस्ट ना करें व शक होने पर तत्काल निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को सम्पर्क करें। वित्तीय साईबर अपराध घटित होने पर तुरन्त 1930 नम्बर या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

एक नजर

नि :शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर 11 जून को

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड फाऊंडेशन अल्मोड़ा और व ज्योति जन स्वास्थ्य सेवा समिति हल्द्वानी के सहयोग से उत्तरायण हॉस्पिटल पापड़ शैली अल्मोड़ा में आगामी 11 जून को निशुल्क स्वास्थ्य ?मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में बाह्य रोगी, जनरल सर्जरी, हृदय रोगी व नेत्र रोगों के साथ ही आयुर्वेद और पंचकर्म के मरीजों को निशुल्क इलाज के साथ ही चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उत्तरायण फाउंडेशन के सचिव महिपाल सिंह पिलखवाल ने बताया कि प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 तक आयोजित इस निशुल्क चिकित्सा शिविर में वरिष्ठ हार्ट सर्जन डॉक्टर ओपी यादव जाने माने सर्जन डॉ. केपी कुनियाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ उषा यादव, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ मृणाल यादव व आयुर्वेद पंचकर्म की विशेषज्ञ डॉ ज्योतसना मरीज का निशुल्क उपचार कर चिकित्सकीय परामर्श देंगे। श्री पिलखवाल ने क्षेत्रीय जनता से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाने की अपील की है।

लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के परिजनों से मुख्यमंत्री ने की बात

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सैन्य अभियान के दौरान बलिदान हुए अल्मोड़ा के पांडेखोला निवासी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के परिजनों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फोन पर वार्ता कर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के साहस, वीरता और राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने परिजनों से कहा कि बीरेश्वर ने न केवल देश बल्कि पूरे उत्तराखंड का गौरव बढ़ाया है और उनका बलिदान सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बलिदानी के पिता से बातचीत के दौरान कहा कि बीरेश्वर केवल उनके परिवार के ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड के बेटे थे। उनके अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा पर पूरे प्रदेश को गर्व है। गौरतलब है कि 6 जून को राजौरी में चल रहे सैन्य अभियान के दौरान लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी का निधन हो गया था। घटना के बाद से पांडेखोला स्थित उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का लगातार पहुंचना जारी है। जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय लोग परिजनों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। बलिदानी अधिकारी की आत्मा की शांति के लिए उनके आवास पर शांति पाठ का आयोजन भी किया जा रहा है।

महिला ने आग लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। नगर के विवेकानंद पुरी वार्ड में एक महिला ने स्वयं पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार उत्तराखंड क्रांति दल से जुड़े मोहित साह अपनी पत्नी लता साह (38) और पुत्र के साथ विवेकानंद पुरी वार्ड में रहते हैं। सोमवार सुबह मोहित अपने 13 वर्षीय पुत्र को स्कूल छोड़ने गए थे। इसी दौरान आसपास के लोगों ने घर से धुआं उठता देखा और इसकी सूचना उन्हें दी। स्थानीय लोगों ने घर का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा भीतर से बंद था। मोहित के मौके पर पहुंचने के बाद दरवाजा तोड़ा गया। तब तक लता साह गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। उन्हें तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

थोड़े से लालच अथवा सस्ते के चक्कर में अपने स्वास्थ्य एवं जीवन को जोखिम में न डालें

पथ प्रवाह, देहरादून। वर्तमान समय में ऑनलाइन माध्यमों, अनधिकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं तथा अवैध विक्रेताओं के माध्यम से नकली एवं कूटरचित (Counterfeit) दवाओं के विक्रय की शिकायतें समय-समय पर प्राप्त होती रहती हैं। नकली दवाओं का सेवन न केवल मरीज के स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है, बल्कि इससे आर्थिक हानि भी होती है। आमजन एवं दवा विक्रेताओं को इस संबंध में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ऐसे में उत्तराखंड एसटीएफ पुलिस और संबंधित विभाग द्वारा समय समय पर जागरूक अभियान चलाए जा रहे हैहं। इसी क्रम में मरीजों/ग्राहकों के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। कहा गया है कि दवा खरीदते समय हमेशा अधिकृत मेडिकल स्टोर से दवा खरीदें तथा उसका बिल अवश्य प्राप्त करें। यह सुनिश्चित करें कि बिल में खरीदी गई दवा का नाम, बैच नम्बर एवं अन्य आवश्यक विवरण अंकित हों। दवा की स्ट्रिप/पैकेजिंग पर अंकित त्तक्रकोड अथवा बारकोड को मोबाइल स्कैनर से स्कैन कर उसकी जानकारी सत्यापित करें। स्कैन करने पर दवा, निर्माता कंपनी, बैच नम्बर एवं अन्य विवरण प्रदर्शित होते हैं, जिससे दवा की प्रामाणिकता की पुष्टि की जा सकती है। दवाई के पैकेट पर अंकित लेबल ध्यान से देखे, जिसमें वर्तनी की त्रुटियों, ओवर-प्रिंटिंग एवं अन्य संभावित विसंगतियों का यथासंभव परीक्षण करें, यदि कुछ विषमता या भिन्नता पाई जाती है तो दवा नकली हो सकती है। बिल में अंकित उत्पाद का बैच नम्बर, निर्माण तिथि (Mfg.), समाप्ति तिथि (E&p.), मूल्य (MRP) तथा अन्य विवरणों का उत्पाद पर अंकित विवरणों से मिलान अवश्य करें।' केंद्र सरकार द्वारा जीवन रक्षक 200 मुख्य दवाई के प्रत्येक स्ट्रिप्स/पट्टे के लिए यूनिक कोड का प्रावधान किया है अर्थात् ऐसी दवा के प्रत्येक स्ट्रिप्स/पत्ते का एक यूनिक कोड होगा जो उस पत्ते के पीछे छपे त्तक्रकोड को मोबाइल के स्कैनर से स्कैन करने पर दिखाई देगा साथ ही आपके द्वारा स्कैन करने पर संबंधित दवा कंपनी के सर्वर में भी ग्राहक के द्वारा दवा चेक करने का रिकॉर्ड अंकित हो जाएगा। यदि कोई विक्रेता दवा पर असामान्य अथवा अत्यधिक छूट देने का प्रलोभन दे रहा हो तो सावधान रहें। कई मामलों में नकली अथवा संदिग्ध दवाओं की बिक्री के लिए अत्यधिक छूट का लालच दिया जाता है। थोड़े आर्थिक लाभ के लालच में अपने स्वास्थ्य एवं जीवन को जोखिम में न डालें।

दवा विक्रेताओं हेतु आवश्यक सुझाव

दवाओं की खरीद केवल लाइसेंसधारी एवं अधिकृत होलसेल विक्रेताओं से ही करें। मेडिकल स्टोर पर आकर अथवा फोन कॉल के माध्यम से अत्यधिक कम कीमत पर दवा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव देने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें। खरीद के समय बिल, जीएसटी विवरण, बैच नम्बर एवं आपूर्ति स्रोत का सत्यापन अवश्य करें। नकली दवा आपूर्ति करने वाले गिरोह फर्जी बिल एवं कूटरचित दस्तावेजों का भी उपयोग कर सकते हैं, अतः प्रत्येक दस्तावेज का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन दवा विक्रेता के पेज पर विश्वास ना करे ये बिना लाइसेंस या नकली लाइसेंस दवा विक्रेता हो सकते है जो किसी भी फर्जी अकाउंट पर पेमेंट लेकर नकली नाम से कोरियर के माध्यम से नकली दवा भेजते है, इसलिए अधिकृत ऑनलाइन registered कंपनी पर ही भरोसा करें।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान एसआईआर को लेकर ऋषिकुल स्थित कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक का आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालेश्वर सिंह एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी ने कहा कि एसआईआर अभियान शुरू हो गया है। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में बीएलओ का सहयोग करें। कोई भी मतदाता मताधिकार से वंचित ना हो इसके लिए घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि पार्षद एवं पदाधिकारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए मतदाताओं का सहयोग करें। मनोज सैनी एवं रवीश भटीजा ने कहा कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए मतदाता का गणना फार्म भरवाने में बीएलओ का सहयोग करें। मतदाता सूची पारदर्शी हो, इसके लिए फर्जी मतदाताओं पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में किसी दबाव में नहीं आएं। संजय सैनी, दीपक टंडन एवं विकास चंद्रा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता जिम्मेदारी के साथ मतदाता सूची तैयार करने में अपना सहयोग दें। किसी भी प्रकार का विवाद ना करें। फर्जी नामों पर विशेष रूप से नजर बनाए रखें। बैठक में सागर बेनीवाल, विशाल, समर्थ ठाकुर, कैलाश प्रधान, आशीष भारद्वाज, जतिन हांडा, उदित विद्याकुल, यश शर्मा, दीपक टंडन, अमित गुप्ता, संजय सैनी, समर्थ अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, मनोज जाटव, उदय सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी दे सरकार-गुड्डू गुर्जर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अलकनंदा मैदान पर आयोजित भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान किसानों की समस्याओं पर चिंतन मनन किया और सरकार से समाधान की मांग की गयी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुड्डू गुर्जर उर्फ सचिन कुमार ने कहा कि सरकार किसानों के हित में फैसले नहीं ले पा रही है। कर्ज के बोझ तले दबा किसान आर्थिक रूप से बदहाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ किया जाए। एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी दी जाए। आवारा पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान का मुआवजा दिया जाए। मिलों पर बकाया किसानों का भुगतान समय पर किया जाए। खाद की कालाबाजारी पर रोक लगायी जाए। स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने के साथ 12 घंटे बिजली उपलब्ध करायी जाए। गुड्डू गुर्जर ने कहा कि वृद्ध किसानों को पांच हजार रूपए मासिक पेंशन दी जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों में यूनियन का संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर डा. राजेश गौतम, शशी भूषण, मोहित चौहान, प्रवीण कुमार, साजिद नंबरदार, पवन शर्मा, रामचंद्र विश्वकर्मा, परविंदर राजपूत, मधुर राणा, विनोद शर्मा, मोहम्मद अकरम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में निहित है सभी समस्याओं का समाधान-महंत दामोदर शरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कनखल स्थित महर्षि ब्रह्महरि उदासीन आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के समापन पर संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। आश्रम के परमाध्यक्ष महंत स्वामी दामोदर शरण महाराज के संयोजन में आयोजित संत सम्मेलन के दौरान श्रद्धालु भक्तों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज ने कहा कि हरिद्वार की पुण्य भूमि और गंगा तट पर संतों के सानिध्य में ज्ञान प्राप्ति का अवसर सौभाग्य से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि भक्तों के कल्याण के लिए प्रतिवर्ष श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन करने के लिए महंत दामोदर शरण महाराज बधाई के पात्र हैं। स्वामी भगवत स्वरूप महाराज ने कहा कि समाज को सांस्कृतिक रूप से एकजुट कर देश की एकता अखंडता बनाए रखने मे संतों का हमेशा ही अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन ऋषि परंपरा के अनुसरण से ही समाज को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है। सभी संत महापुरूषों और अतिथीयों का आभार व्यक्त करते हुए महंत दामोदर शरण महाराज ने कहा कि परम् कल्याणकारी श्रीमद् भागवत कथा में जीवन की सभी समस्याओं का समाधान निहित है। श्रद्धालु भक्त कथा से से मिले ज्ञान को आचरण में धारण कर स्वयं का कल्याण करें। महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानंद गिरी एवं महामंडलेश्वर स्वामी रामानुज सरस्वती ने कहा कि महंत दामोदर शरण महाराज भक्तों को धर्म और अध्यात्म का ज्ञान प्रदान करने के साथ सनातन के प्रचार प्रसार में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। संत सम्मेलन का संचालन स्वामी हरिहरानंद महाराज ने किया। कथाव्यास स्वामी रविदेव शास्त्री ने भी भक्तों को संबोधित किया। इस अवसर पर महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी, महंत रामनोमी दास, स्वामी रूपेंद्र प्रकाश, स्वामी कपिल मुनि, स्वामी भगवत स्वरूप, महंत गोविंद दास, महंत जयेंद्र मुनि, बाबा हठयोगी, महंत प्रेमदास, महंत हनुमान दास, महंत राघवेंद्र दास, आईडी शर्मा सहित बड़ी संख्या में संत महापुरूष और श्रद्धालु मौजूद रहे।

म्यूल अकाउंट्स पर एसटीएफ का बड़ा प्रहार, दो दिन में 4 मुकदमे दर्ज

पथ प्रवाह, देहरादून।

एसटीएफ/साइबर क्राइम द्वारा म्यूल अकाउंट होल्डर्स और एजेंटों के विरुद्ध अब तक कुल 06 मुकदमे पंजीकृत कराकर 10 अभियुक्तों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्यवाही की जा चुकी है, और साइबर अपराधियों के खिलाफ यह कड़ा अभियान आगे भी लगातार जारी है। एसटीएफ के अनुसार साइबर ठग आर्थिक रूप से कमजोर एवं मजदूर वर्ग के लोगों को लालच देकर बैंक खाते खुलवाते हैं। बिहार, केरल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित देश के कई राज्यों में दर्ज साइबर अपराधों की रकम इन खातों में हो ट्रांसफर हो रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा साइबर अपराधों में प्रयुक्त होने वाले संदिग्ध बैंक खातों (Mule Accounts) के विरुद्ध एक व्यापक और प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसटीएफ व साइबर टीम को संदिग्ध खातों के सत्यापन एवं विस्तृत वित्तीय विश्लेषण के निर्देश दिए गए थे। एसटीएफ टीम द्वारा विगत कई सप्ताहों से NCRP Portal, Samanvaya Portal, CFCFRMS, IyC Inputs, बैंकिंग अभिलेखों, KYC दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों एवं Money Trail Analysis का गहन परीक्षण किया जा रहा था। इस तकनीकी व वित्तीय जांच में साइबर अपराधियों को म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले एक अत्यंत संगठित गिरोह का संचालित होना प्रकाश में आया है। इस बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा लगातार बड़ी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। इस प्रहार के अंतर्गत, आज (08 जून) संदिग्ध खातों के सत्यापन के आधार पर थाना साइबर क्राइम, देहरादून व कुमाऊँ में 03 एफआईआर (FIR) दर्ज कर 04 अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया।

एक नजर

बीएलओ को मिलेगा एक माह के मोबाइल रिचार्ज का भुगतान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि सोमवार 8 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कार्य में जुटे बूथ लेवल ऑफिसर्स को मोबाइल डाटा रिचार्ज हेतु मुख्य निर्वाचक अधिकारी उत्तराखंड के आदेशों के क्रम में हर बीएलओ को ?350 का भुगतान किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी वी आर सी पुरुषोत्तम की विशेष पहल पर जनपद के सभी 1715 बीएलओ को मोबाइल रिचार्ज हेतु उक्त धनराशि का भुगतान उपलब्ध कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि जनपद में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई गई। इस दौरान बीएलओ घर घर जाकर मतदाताओं को गणना फॉर्म बांटेंगे इसके बाद भरे हुए गणना फॉर्म्स को बीएलओ द्वारा ऐप के माध्यम से डिजिटलाइज किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में ब्लह को मोबाइल डाटा प्लान की कमी ना आए इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीएलओ को एक माह का मोबाइल रिचार्ज प्लान हेतु धनराशि देने का निर्णय लिया गया है।

उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने हरजौली झोझा में सुनी जनसमस्याएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'संकल्प से सिद्धि '* एवं 'गरीब के द्वार सरकार' विजन को धरातल पर उतारते हुए, समाज कल्याण योजनाएं एवं अनुश्रवण समिति, उत्तराखण्ड सरकार के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) एवं पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल ने विधानसभा झबरेड़ा के ग्राम हरजौली झोझा में जनसंवाद कार्यक्रम किया। श्री कर्णवाल ने पेंशन, छात्रवृत्ति, विवाह अनुदान, एससीपी योजनाओं एवं राशन कार्ड से जुड़ी दर्जनों शिकायतें मौके पर सुनीं। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी हरिद्वार एवं खंड विकास अधिकारी रुड़की को निर्देशित किया कि 'बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर समाज कल्याण बहु-उद्देशीय शिविर' के तहत प्राप्त हर आवेदन का 15 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करें। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि 'सरकार की योजनाएं फाइलों में नहीं, गरीब की झोपड़ी तक पहुंचनी चाहिए।' उन्होंने एससीपी बजट के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उपाध्यक्ष ने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सहायक समाज कल्याण अधिकारी को कार्यक्रम से एक घंटा पूर्व स्थल पर पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पूर्व में ही दिए गए थे। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी रुड़की, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान हरजौली झोझा, भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लक्सर में 35 से अधिक अवैध अतिक्रमण को हटाया, 12 के चालान भी किए

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उप जिलाधिकारी लक्सर अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील लक्सर क्षेत्रांतर्गत देर शाम को लक्सर तहसील प्रशासन एवं पुलिस बल के साथ लक्सर बाजार से खानपुर रोड तक सड़क किनारे किए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस अभियान के दौरान 35 से अधिक अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया तथा 12 लोगों के चालान करते हुए 6 हजार की धनराशि अर्थदंड के रूप में वसूली गई। इस दौरान तहसील प्रशासन,नगर पालिका,पुलिस सहित समंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं सख्ती के साथ चल रहे इस अभियान से अवैध अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा है।

चारधाम यात्रा के लिए 5956 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में चारधाम यात्रा के लिए 5956 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। इनमें यमुनोत्री धाम के लिए 1118, गंगोत्री धाम के लिए 1142, केदारनाथ धाम के लिए 1731, बद्रीनाथ धाम के लिए 1851, हेमकुंड साहिब के लिए 114 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। इस तरह विभिन्न राज्यों से आए 5956 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए आज अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 2 हजार 7 सौ 83 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त, 150 से अधिक अवैध अतिक्रमण हटवाएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सरकारी भूमि पर किसी भी दशा में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए है, मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद ने निरंतर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों,नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी सरकारी भूमि,सड़क, फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर अतिक्रमण न हो,जो भी अतिक्रमण किया गया है,उससे हटाने के निर्देश दिए गए है।

जिलाधिकारी ने वर्तमान में चल रही चार धाम यात्रा एवं आगामी कांवड़ मेले को सुव्यवस्थित एवं सुगम संचालित करने के लिए एव यात्रियों को आवागमन में कोई परेशानी एवं असुविधा न हो तथा जनपद में जाम की स्थित न हो इसके दृष्टिगत सड़क किनारे,नालियों एवं फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए है।

सोमवार को नगर मजिस्ट्रेट हर गिरी की नेतृत्व में देवपुरा चौक से रानीपुर मोड़ क्षेत्र क्षेत्रांतर्गत तथा जयराम आश्रम से वाल्मीकि चौक तक 60 अवैध कब्जों को हटाया गया तथा जिलाधिकारी योगेश मेहरा के नेतृत्व में नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन की देखरेख में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।जिसमें नालियों /फुटपाथ के ऊपर किए गए 90 अवैध कब्जे को हटाया गया तथा नालियों के ऊपर बनाए गए खोखे एवं ढाबों को हटाते हुए ध्वस्त किया गया। दोनों टीमों द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान से पूर्व वीडियोग्राफी भी कराई गई तथा इस दौरान मार्ग एवं नालियों पर किए गए 150 से अधिक अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। नगर निगम एवं जिला प्रशासन की ओर से सभी संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में नाली के ऊपर अथवा नाली की सीमा से बाहर किसी भी प्रकार का सामान, निर्माण सामग्री अथवा व्यावसायिक सामग्री रखी जाती है तो उसे तत्काल जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बार-बार अतिक्रमण किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तहरीर देकर विधिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, मुख्य सफाई निरीक्षक श्रीकांत, सफाई निरीक्षक अनिल कुमार, अतिक्रमण सहायक आदित्य तेश्वर, अर्जुन सिंह, सफाई निरीक्षक धीरेंद्र सेमवाल, प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम तथा नगर निगम हरिद्वार की टीम उपस्थित रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनहित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नगर निगम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान से पहले करायी वीडियोग्राफी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सोमवार को नगर निगम ने शहर में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों ने सैकड़ों अतिक्रमण हटाने के साथ बिना लाइसेंस संचालित की जा रही ठेली फड़ व्यवसायियों की ठेलियों को जब्त कर लिया गया। अभियान शुरू करने से पूर्व नगर निगम द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र की वीडियोग्राफी कराई गई। वीडियोग्राफी के माध्यम से फुटपाथों, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमणों को चिन्हित किया गया। इसके पश्चात नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से लगाए गए बोर्ड एवं अन्य सामग्री को हटाकर जब्त कर लिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट हरगिरी, उपनगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, मुख्य सफाई निरीक्षक श्रीकांत, सफाई निरीक्षक अनिल कुमार, अतिक्रमण सहायक आदित्य तेश्वर, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम की मौजूदगी चलाए गए अभियान के दौरान 90 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए। एसडीएम योगेश मेहरा,

अतिक्रमण प्रभारी एवं मुख्य सफाई निरीक्षक अर्जुन सिंह, सफाई निरीक्षक धीरेंद्र सेमवाल, अतिक्रमण सहायक आदित्य तेश्वर, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम की टीम ने जयराम आश्रम से वाल्मीकि चौक तक अभियान संचालित करते हुए सड़कों और फुटपाथ पर किए गए 50 से अधिक अतिक्रमण हटाए। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि भविष्य में बाजार क्षेत्रों में नियमित रूप से जीपीएस युक्त फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई जाएगी। किसी भी अतिक्रमण विरोधी अभियान से पूर्व चिन्हित क्षेत्रों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। फुटपाथ, नाली, सड़क अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर जुर्माना, सामग्री जब्ती एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अल्मोड़ा में 'इको माउंटेन पिक्चर्स' का उद्घाटन, फिल्म 'यारसा गाम्बू' ने बटोरी सुर्खियां

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा, हिमालय की अनसुनी कहानियों और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देने के उद्देश्य से ग्राम कटारमल में स्वतंत्र फिल्म निर्माण संस्था 'इको माउंटेन पिक्चर्स' का भव्य उद्घाटन त्रिभुवन गिरि महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की। देवभूमि रंगमंच सांस्कृतिक समिति, के कलाकारों ने 'शकुनाखर' और मांगलिक गीतों से शुभारंभ किया।

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण संस्था की पहली हिंदी फीचर फिल्म 'यारसा गाम्बू' रही। यह फिल्म गोवा में आयोजित फिल्म बाज़ार वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब 2025 में पूरे दक्षिण एशिया की शीर्ष 5 फीचर फिल्मों में चुनी गई है। इसे 'प्रसाद लैब स्पेशल मेंशन अवार्ड' से भी नवाजा गया है । इको माउंटेन पिक्चर्स के संस्थापक और निर्माता कुंदन सिंह बिष्ट ने कहा कि 'इको माउंटेन पिक्चर्स' का मकसद सिर्फ फिल्में बनाना नहीं, बल्कि 'सेव हिमालया' मुहिम के तहत हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण, संस्कृति और समाज की आवाज़ को वैश्विक पटल पर ले जाना है। लेखक-निर्देशक मोहन बेलवाल (समर बेलवाल) ने बताया कि 'यारसा गाम्बू' हिमालयी जनजातियों के अस्तित्व, प्रतिशोध और मां-बच्चे के अटूट रिश्ते पर आधारित सर्वाइवल ड्रामा है। एसोसिएट प्रोड्यूसर तुषार सिंह बिष्ट और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर ने आगामी परियोजनाओं के जरिए उत्तराखंड के सांस्कृतिक व साहित्यिक उत्थान का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जय मित्र सिंह बिष्ट, मनमोहन चौधरी, ध्रुव कुमार टम्टा, आलोक वर्मा सागर बिष्ट समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। '

योग और प्रकृति संरक्षण का अद्भुत संगम: बड़े हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ 'हरित योग कार्यक्रम'

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 की जन-जागरूकता श्रृंखला के अंतर्गत बड़े हनुमान मंदिर, बैरागी कैंप, हरिद्वार में 'हरित योग कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. स्वास्तिक सुरेश ने की तथा सह-अध्यक्षता आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अश्वनी कौशिक द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आयुष मिशन विशेषज्ञ डॉ. अवनीश कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डोभालवाला, देहरादून के उप प्रधानाचार्य दुष्यंत कुमार तथा राष्ट्रीय आयुष मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह रावत ने सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन, मानसिक शांति एवं पर्यावरणीय संतुलन के महत्व पर विशेष बल दिया गया। उपस्थित अतिथियों ने योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. स्वास्तिक सुरेश ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य संवर्धन दोनों ही वैश्विक आवश्यकता बन चुके हैं। ऐसे में 'हरित योग' की अवधारणा स्वस्थ समाज एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि डॉ. अवनीश कुमार उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि योग और प्रकृति दोनों ही मानव जीवन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति योग के माध्यम से स्वयं को प्रकृति से जोड़ता है, तब उसके जीवन में संतुलन, स्वास्थ्य एवं सकारात्मकता का विकास होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए 'एक व्यक्ति-एक पौधा' का संकल्प लेने का संदेश दिया। अति विशिष्ट अतिथि दुष्यंत कुमार ने कहा कि योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में योग एवं पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि योग अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास करता है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम की लिंक अधिकारी डॉ. रीना भटकोटी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत जनपद में विभिन्न योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनसामान्य को योग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि 'हरित योग कार्यक्रम' योग एवं पर्यावरण संरक्षण को एक सूत्र में जोड़ने का प्रभावी प्रयास है, जो समाज को स्वस्थ एवं पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रभारी अधिकारी डॉ. विजेंद्र कुशवाहा ने संपूर्ण कार्यक्रम की योजना, समन्वय एवं व्यवस्थाओं का प्रभावी संचालन किया, जबकि डॉ. रीना भटकोटी ने कार्यक्रम के आयोजन, अतिथि समन्वय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का कुशल निर्वहन किया। योग सत्र के संचालन एवं प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराने में अदिति, दीपक एवं निकुंज का विशेष योगदान रहा। इनकी देखरेख में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

एक नजर

जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जानलेवा मामले में फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थाना पथरी पुलिस ने घटनाक्रम के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 6 जून को ग्राम डांडी इब्राहिमपुर निवासी विनोद शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए मुकद्मा दर्ज कराया था। मुकद्मा दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी गुरूदेव सिंह पुत्र मुख्तयार सिंह निवासी ग्राम दिनारपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई बबलू चौहान, कांस्टेबल नारायण सिंह व राकेश नेगी शामिल रहे।

नाबालिग को भगाने और दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नाबालिग को भगाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को लक्सर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी के डर से आरोपी भागने की फिराक में था। 8 जून को क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर मुस्तफीक पुत्र मुन्फैत निवासी खण्डजा कुतुबपुर लक्सर को नामजद करते हुए नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकद्मा दर्ज कराया था। पॉक्सो सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकद्मा दर्ज करने के बाद आरोपी मुस्तफीक की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर उसे लकसर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई प्रियंका नेगी, हेडकांस्टेबल स्वदेश राय, होमगार्ड रामकुमार शामिल रहे।

उक्रांद की सरकार बनने पर पूरा होगा राज्य आंदोलन का दूसरा चरण-सरिता पुरोहित

पथ प्रवाह, हरिद्वार, 8 जून। उत्तराखंड क्रांति दल की शिवालिक नगर सामुदायिक केंद्र में हुई बैठक में रानीपुर विधानसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए पदाधिकारियों को मनोयन पत्र सौंपे गए। उक्रांद की केंद्रीय सलाहकार सरिता पुरोहितों ने विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विशाल धीमान, उपाध्यक्ष राजकुमार, महामंत्री प्रियम पाठक, मंत्री अर्जुन बत्रा, मुकुल वर्मा, संगठन मंत्री संजय, कोषाध्यक्ष अनुज कांत एवं मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ पाठक को मनोयन पत्र प्रदान किए। सरिता पुरोहित ने कहा कि राज्य आंदोलन की अवधारणा के अनुरूप उत्तराखंड बनाने के लिए युवाओं समेत सभी वर्ग के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से युवाओं ने उत्तराखंड क्रान्ति दल में विश्वाश जताया है। उससे साफ है कि अब वह दिन दूर नहीं है, जब उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन की जो वजह रही हैं। उनका निराकरण होगा। उत्तराखंड में उक्रांद की सरकार बनेगी और उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन की अवधारणा अपना स्वरूप लेगी और राज्य आंदोलन का दूसरा चरण पूर्ण होगा। रानीपुर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विशाल धीमान ने कहा कि उत्तराखंड राज्य गठन को 26 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की सरकारों के चलते उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन की अवधारणा मूर्त रूप नहीं ले सकी है। इसलिए हम युवाओं का दायित्व है कि जिन कारणों से उक्रांद के पुरोधाओं ने उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन किया। राज्य प्राप्ति बाद उन कारणों के निराकरण के लिए उत्तराखंड क्रान्ति दल की बहुमत से सरकार बनाने के लिए जनमत व वोट संग्रहित करें। इस अवसर पर रविन्द्र वशिष्ठ, चौधरी बृजवीर सिंह, प्रदीप उपाध्याय, विशाल धीमान अनुज बत्रा, उत्कर्ष कुमार, हरजन सिंह, निक्कू, सिद्धार्थ पाठक, प्रियांश पाठक, केशव सेठ, युगल किशोर मिश्रा, अनुज कान्त, मुकुल मिश्रा, सत्यपाल सिंह, हरीश कुमार, महेन्द्र सिंह बिष्ट, आदि मौजूद रहे।

माटी कला बोर्ड में गैर प्रजापति समाज को दायित्व सौंपे जाने पर जतायी नाराजगी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

माटी कला बोर्ड में गैर प्रजापति समाज के लोगों को दायित्व सौंपे जाने से नाराज प्रजापति समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। निर्णय नहीं बदले जाने पर आगामी विधानसभा चुनाव में निर्णय लेने की चेतावनी भी दी है।

प्रैस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान राजाराम प्रजापति ने कहा कि प्रजापति समाज का बहुत बड़ा वर्ग भाजपा का समर्थक है। सरकार ने प्रजापति समाज के हितों के लिए गठित माटी कला बोर्ड में गैर समाज को दायित्व सौंप दिए है। जोकि पूरी तरह गलत है। मिट्टी का कार्य व्यवसाय प्रजापति समाज का पुश्तैनी काम है। सदियों से समाज के लोग इस कार्य का कर रहे हैं और इसकी बारीकियों को समझते हैं। लेकिन माटी कला बोर्ड में दायित्व अन्य समाज के लोगों को सौंप दिए गए हैं। जिन्हें इसकी कोई समझ नहीं है। इसलिए सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर बोर्ड में की गयी नियुक्तियों को तत्काल निरस्त कर प्रजापति समाज के लोगों को ही स्थान देना चाहिए। योगाचार्य डा.बबीता ने कहा कि माटी कला बोर्ड में अन्य समाज के लोगों को पदाधिकारी व सदस्य नामित किए जाने से प्रजापति समाज को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही समाज का एक प्रतिनिधिमंडल

मुख्यमंत्री से मिलकर समाज के लोगों को दायित्व दिलाने के लिए प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि भेदभावपूर्ण नीति सहन नहीं की जाएगी। राज्य में प्रजापति समाज की बड़ी संख्या है और समाज भाजपा को सपोर्ट करता है। सरकार को कुम्हार व्यवसायियों की राजनीतिक हिस्सेदारी को भी समझना चाहिए। पत्रकार वार्ता के दौरान बालू राम, पवनदीप, राजेश प्रजापति, मेलाराम आदि ने भी सरकार के निर्णय पर रोष जताया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com